स्नातक द्वीतीय खंड(कला,वाणिज्य,विज्ञान)

अनिवार्य राष्ट्रभाषा हिंदी पत्र

हिंदीतर भाषा भाषियों के लिए

“ अनेक शब्दों के लिए एक शब्द ”

Dr. Nand Kishore Pandit
Asst. Prof. Hindi
APSM College, Barauni

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

भाषा की सुदृढ़ता, भावों की गम्भीरता और चुस्त शैली के लिए यह आवश्यक है कि लेखक शब्दों (पदों) के प्रयोग में संयम से काम ले, ताकि वह विस्तृत विचारों या भावों को थोड़े-से-थोड़े शब्दों में व्यक्त कर सके। समास, तद्धित और कृदन्त वाक्यांश या वाक्य एक शब्द या पद के रूप में संक्षिप्त किये जा सकते है। ऐसी हालत में मूल वाक्यांश या वाक्य के शब्दों के अनुसार ही एक शब्द या पद का निर्माण होना चाहिए।

दूसरी बात यह कि वाक्यांश को संक्षेप में सामासिक पद का भी रूप दिया जाता है। कुछ ऐसे लाक्षणिक पद या शब्द भी है, जो अपने में पूरे एक वाक्य या वाक्यांश का अर्थ रखते है। भाषा में कई शब्दों के स्थान पर एक शब्द बोल कर हम भाषा को प्रभावशाली एवं आकर्षक बनाते है।
जैसे- राम कविता लिखता है, अनेक शब्दों के स्थान पर हम एक ही शब्द 'कवि' का प्रयोग कर सकते है।
दूसरा उदाहरण- 'जिस स्त्री का पति मर चुका हो' शब्द-समूह के स्थान पर 'विधवा' शब्द अच्छा लगेगा।
इसी प्रकार, अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कर सकते है।

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

अनुचित बात के लिए आग्रह- (दुराग्रह)
अण्डे से जन्म लेने वाला- (अण्डज)
आकाश को चूमनेवाला- (आकाशचुंबी)
अपने देश से दुसरे देश में समान जाना- (निर्यात)
अपने परिवार के साथ- (सपरिवार)
आशा से अतीत (अधिक)- (आशातीत)
आकाश या गगन चुमनेवाला- (आकाशचुम्बी, गगनचुम्बी)
आलोचना करनेवाला- (आलोचक)
ईश्वर में आस्था रखने वाला- (आस्तिक)
ईश्वर पर विश्वास न रखने वाला- (नास्तिक)
इतिहास का ज्ञाता- (अतिहासज्ञ)
इन्द्रियों को जीतनेवाला- (जितेन्द्रिय)
इन्द्रियों की पहुँच से बाहर- (अतीन्द्रिय)
इतिहास से सम्बन्ध रखने वाला- (ऐतिहासिक)
ऊपर कहा हुआ- (उपर्युक्त)
ऊपर आने वाला श्वास- (उच्छवास)
ऊपर की ओर जानेवाला-(उर्ध्वगामी)
ऊपर की ओर बढ़ती हुई साँस- (उर्ध्वश्वास)
उपचार या ऊपरी दिखावे के रूप में होने वाला- (औपचारिक)

एक देश से माल दूसरे देश में जाने की क्रिया- (निर्यात)
ऐतिहासिक युग के पूर्व का- (प्रागैतिहासिक)
एक महीने में होने वाला- (मासिक)
एक ही जाति का- (सजातीय)
एक ही समय में उत्पन्न होने वाला- (समकालीन)
कम अक्लवाला- (अल्पबुद्धि)
कठिनाई से समझने योग्य- (दुर्बोध)
कल्पना से परे हो- (कल्पनातीत)
किसी की हँसी उड़ाना- (उपहास)
कुंती का पुत्र- (कौंतेय)
किसी के घर की होनेवाली तलाशी- (खानातलाशी)
किसी के इर्द-गिर्द घेरा डालने की क्रिया- (घेराबन्दी)
करुण स्वर में चिल्लाना- (चीत्कार)
किसी को सावधान करने के लिए कही जाने वाली बात- (चेतावनी)
खाने योग्य पदार्थ- (खाद्य)
खाने की इच्छा- (बुभुक्षा)
खून से रँगा हुआ- (रक्तरंजित)
गृह (घर) बसाकर स्थित (रहनेवाला)- (गृहस्थ)
ग्राम का रहनेवाला- (ग्रामीण)
गोद लिया हुआ पुत्र- (दत्तक (पुत्र))
गोपों को घेरा बाँधकर नाचने की क्रिया- (रास)

घास छीलने वाला- (घसियारा)

घास खानेवाला- (तृणभोजी)

घूस लेने वाला/रिश्वत लेने वाला- (घूसखोर/रिश्वतखोर)

घुलने योग्य पदार्थ- (घुलनशील)

चार राहों वाला- (चौराहा)

चेतन स्वरूप की माया- (चिद्विलास)

चूहे फँसाने का पिंजड़ा- (चूहेदानी)

चौथे दिन आने वाला ज्वर- (चौथिया)

छोटे कद का आदमी- (बौना)

छह कोने वाली आकृति- (षट्कोण)

छह-छह महीने पर होने वाला- (षाण्मासिक)

छूत से फैलने वाला रोग- (संक्रामक)

जो कभी न मरे- (अमर)

जो पढ़ा-लिखा न हो- (अपढ़, अनपढ़)

जो अक्षर (पढ़ना-लिखना) जानता है- (साक्षर)

जो दूसरों पर अत्याचार करें- (अत्याचारी)

जो दिखाई न दे- (अदृश्य)

जो कभी नष्ट न हो- (अनश्वर)

झूठ बोलने वाला-(झूठा)

झमेला करनेवाला- (झमेलिया)

झूठा मुकदमा- (अभ्याख्यान)

झीं-झीं की तेज आवाज करने वाला कीड़ा- (झींगुर)

तेज बुद्धिवाला- (कुशाग्रबुद्धि)
तीनों लोकों का स्वामी- (त्रिलोकी)
तेजवाला- (तेजस्वी)
तीन कालों की बात जानने वाला- (त्रिकालज्ञ)
दूसरों पर उपकार करने वाला- (उपकारी)
दूसरों के दोष को खोजने वाला- (छिद्रान्वेसी)
दूसरे के पीछे चलने वाला- (अनुचर)
दुखांत नाटक- (त्रासदी)
दर्द से भरा हुआ- (दर्दनाक)
धरती और आकाश के बीच का स्थान- (अंतरिक्ष)
धन से संबंध रखने वाला- (आर्थिक)
धन के देवता- (कुबेर)
धर्म में रूचि रखने वाला- (धर्मात्मा)
नीचे की ओर लाना या खींचना- (अपकर्ष)
नाक से रक्त बहने का रोग- (नकसीर)
नख से शिखा तक के सब अंग- (नखशिख)
नष्ट होने वाला- (नश्वर)
नभ (आकाश) में विचरण करने वाला- (नभचर/खेचर)
नया उदित होने वाला- (नवोदित)